अनुस्मरण
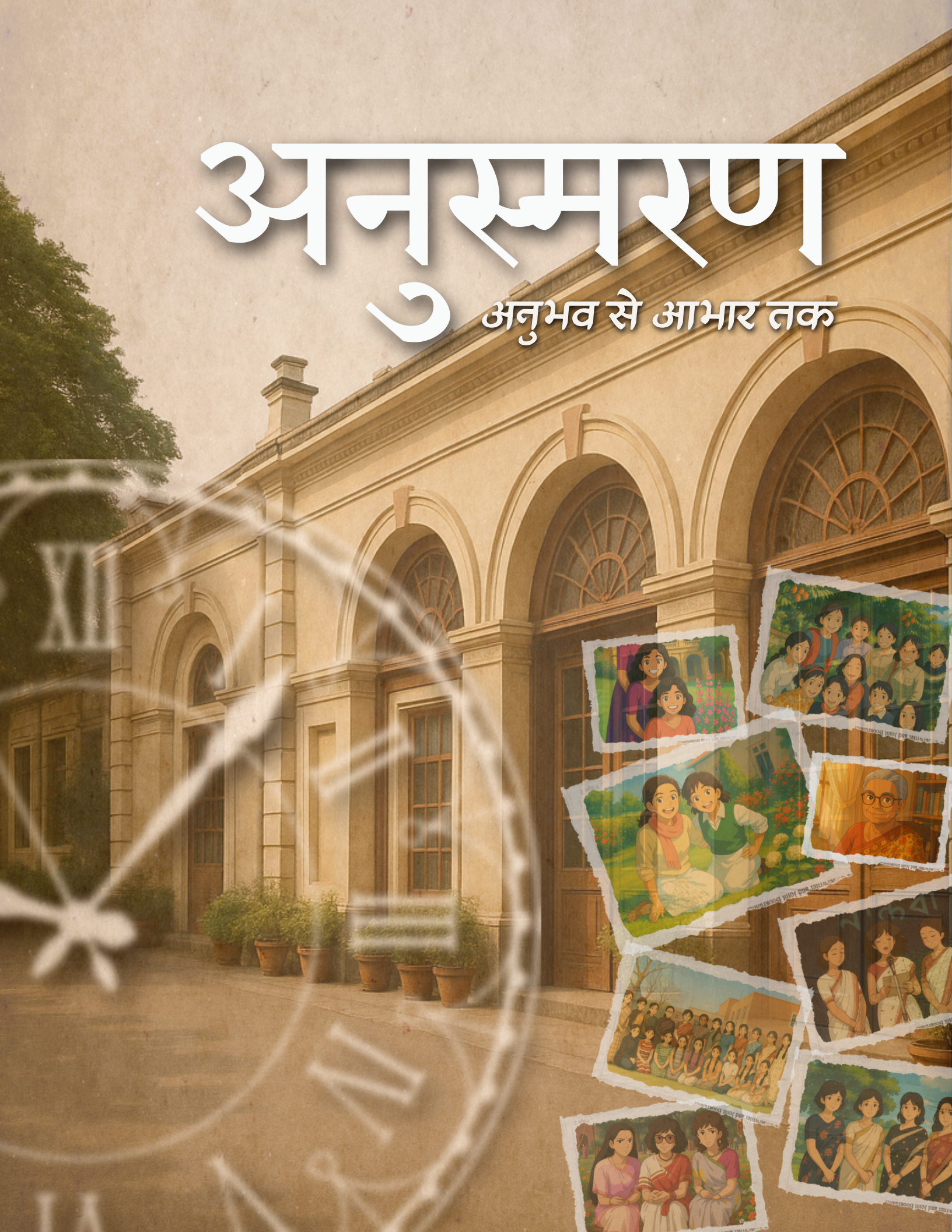
अनुभव से आभार तक